

Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 1/11/2025
Class: U.G Semester - 3rd
(MJC-3)
Developmental Psychology,

Topic -

पार अनुभागीय अध्ययन
(Cross-sectional Study)

जब विभिन्न बच्चों में विकास चरणों का एक ही समय में अध्ययन किया जाता है तो उस पार अनुभागीय अध्ययन कहते हैं। पार अनुभागीय अध्ययन या विधि, मानव वृद्धि एवं विकास के अध्ययन में कार्यरत अब तक की सबसे सामान्य विधि है। इसमें एक ही बालक अथवा समूह का वर्षों तक अध्ययन करने की जगह एक ही समय में विभिन्न आयु के बालकों का अध्ययन एक साथ करते हैं। उदाहरण के लिए यदि 6 से 9 वर्ष की आयु वर्ग के कुछ बच्चों के मानसिक प्रत्ययों का अध्ययन करना है। तब हम 6 से 9 वर्ष तक के प्रत्येक आयु वर्ग (6, 7, 8, 9) के 100, 100 बच्चे अर्थात् 400 बच्चों का प्रतिदश (Sampling) विधि से चयन कर उनका अध्ययन करते हैं। इसे क्रॉस सेक्शनल अध्ययन या अनुप्रस्थ अध्ययन या व्यापकता अध्ययन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक उपकरण है जो शोधकर्ताओं को एक ही समय में पूर्व-निर्धारित / परिभाषित उपसमूह या नमूना आबादी से एकत्र किए गए चर के डेटा का विश्लेषण करता है। जानकारी आम तौर पर लिंग एवं आयु जैसी कई भिन्नताओं वाले कई व्यक्तियों के बारे में होती है हालाँकि शोधकर्ताओं को इन चरों का विश्लेषण करने का अवसर मिलता है, लेकिन वे उनमें हेरफेर नहीं करते हैं। इस अध्ययन प्रकार का उपयोग आमतौर पर विकासात्मक मनोविज्ञान, नैदानिक अनुसंधान, व्यवसाय सम्बन्धी अध्ययन और जनसंख्या अध्ययन में किया जाता है, साथ ही इस पद्धति का उपयोग सामाजिक विज्ञान और शिक्षा सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी किया जाता है। क्रॉस सेक्शनल अध्ययन प्रकृति में अवलोकनात्मक होते हैं और उन्हें वर्णनात्मक शोध के रूप में जाना जाता है, न कि कारणात्मक या सम्बन्धपरक। जिसका अर्थ है कि व्यक्ति उनका उपयोग बीमारी (कोई भी) जैसी किसी चीज का कारण निर्धारित करने के लिए नहीं कर सकते हैं। शोधकर्ता एक विशिष्ट आबादी में मौजूद जानकारी/निष्कर्षों को रिकॉर्ड करते हैं, लेकिन वे चर में हेरफेर (परिवर्तन) नहीं करते हैं अपितु वे केवल निरीक्षण करते हैं। एक बार जब शोधकर्ता ने आदर्श अध्ययन अवधि और प्रतिभागी समूह का चयन कर लिया, तो अध्ययन आमतौर पर एक सर्वेक्षण या भौतिक प्रयोग के रूप में होता है। इस अध्ययन के दौरान चूंकि चर समान रहते हैं जो इसे कई उद्योगों के विभिन्न क्षेत्रों और परिस्थितियों में एक उपयोगी अनुसंधान उपकरण बनाता है। उदाहरण के लिए, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन के अर्थ को स्पष्टता देने के लिए नीचे कुछ उदाहरण दिए गए हैं-

- (1) स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत तीन से दस वर्ष की आयु के बच्चों में कैल्शियम की कमी का खतरा कैसे होता है, इसका आंकलन करने के लिए वैज्ञानिक क्रॉस-सेक्शनल शोध का लाभ उठा सकते हैं।
- (2) खुदरा व्यापार के अन्तर्गत शोधकर्ता एक विशिष्ट आयु वर्ग के पुरुषों एवं महिलाओं के मध्य खर्च करने की आदतों में समानता एवं अंतर की पहचान करने के लिए क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन का उपयोग करते हैं।
- (3) शिक्षा क्षेत्र के अन्तर्गत ये अध्ययन यह बताने में सहायता करते हैं कि जब स्कूल एक नया पाठ्यक्रम शुरू करते हैं तो एक विशिष्ट ग्रेड श्रेणी वाले छात्र कैसा प्रदर्शन करते हैं।

पार अनुभागीय अध्ययन की विशेषताएँ (Characteristics of Cross-sectional Study)

पार अनुभागीय अध्ययन की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- (1) पार अनुभागीय अध्ययन में अध्ययन एक ही समय पर होता है। अर्थात् इसमें एक समय में न्यादर्श के विभिन्न समूहों का प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- (2) इस विधि में विभिन्न समूहों का एक ही समय में तुलना करना सम्भव है।
- (3) क्रॉस सेक्शनल अध्ययन प्रकृति में अवलोकनात्मक होते हैं अतः इसमें अध्ययन चरों में हेरफेर करना शामिल नहीं है।
- (4) यह शोधकर्ताओं को एक साथ कई विशेषताओं (आयु, आय, लिंग, आदि) को देखने की अनुमति देता है। अर्थात् इसमें शोधकर्ता एक विशिष्ट अवधि में समान चर (आय, लिंग, आयु, आदि) के साथ एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन करते हैं।
- (5) इसका उपयोग अक्सर किसी दी गई आबादी में प्रचलित विशेषताओं को देखने के लिए किया जाता है।
- (6) इस विश्लेषण में परिभाषित प्रारंभ और स्टॉप बिंदु शामिल हैं जो सभी चर को समान रहने की अनुमति देते हैं।
- (7) यह वर्तमान आबादी में क्या हो रहा है, इसके बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है।
- (8) क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन के साथ केवल एक विषय या उदाहरण का विश्लेषण (4) किया जा सकता है। यह अधिक सटीक डेटा संग्रह की अनुमति देता है।
- (9) इस विधि में स्थूल स्तर (विस्तृत) का विश्लेषण किया जा सकता है।

पार अनुभागीय अध्ययन के प्रकार
(Types of Cross-sectional Study)

पार अनुभागीय अध्ययन को दो अलग-अलग प्रकारों में वर्गीकृत कर सकते हैं-

- (1) वर्णनात्मक पार अनुभागीय अध्ययन (Descriptive cross-sectional Studies)-एक वर्णनात्मक पार अनुभागीय अध्ययन या सर्वेक्षण, यह आंकलन करता है कि चयनित जनसांख्यिकीय के भीतर प्राथमिक चर कितनी बार या सामान्य रूप से होता है। यह व्यक्ति को समूह के भीतर किसी भी समस्या वाले क्षेत्र की पहचान करने में सक्षम बनाता है। वे यह आंकलन कर सकते हैं कि एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय में एक विशिष्ट चर कितनी बार, व्यापक रूप से या गंभीर रूप से होता है। यह पार अनुभागीय अध्ययन का सबसे आम प्रकार है।
- (2) विश्लेषणात्मक पार अनुभागीय अध्ययन (Analytical cross-sectional Studies)-एक विश्लेषणात्मक पार अनुभागीय अध्ययन या सर्वेक्षण, दो संबंधित या असंबंधित मापदंडों के बीच सम्बन्धों की जांच करता है। हालाँकि, जांच जारी रहने के दौरान बाहरी चर अध्ययन को प्रभावित कर सकते हैं। वे एक निश्चित समय पर एक्सपोजर और परिणामों के लिए डेटा एकत्र करते हैं ताकि एक परिभाषित आबादी के भीतर एक्सपोजर और स्थिति के बीच सम्बन्ध को मापा जा सके। इस प्रकार के अध्ययन का उद्देश्य एक्सपोजर और अनएक्सपोज्ड व्यक्तियों के बीच स्वास्थ्य परिणामों के अंतर की तुलना करना है। ध्यान दें कि विश्लेषणात्मक पार अनुभागीय अध्ययन में मूल परिणामों और डेटा का एक साथ अध्ययन किया जाता है।